# जैन धर्म और बौद्ध धर्म

# Jainism & Buddhism

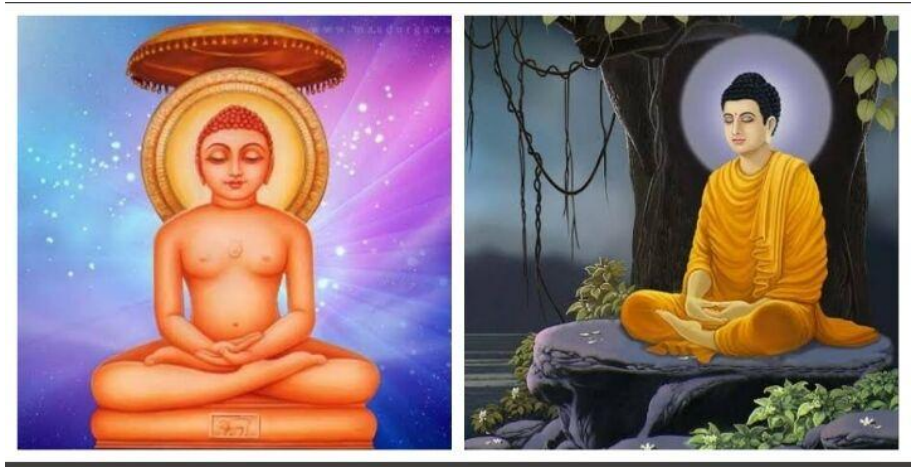

# Jainism

1. Rishabhdev
2. Ajitnath
3. Sambhavnath
4. Abhinandan
5. Sumitnath
6. Padmaprabhu
7. Suparsavanath
8. Suridhi
9. Chandraprabh
10. Sheetal Nath
11. Shreyanshanath
12. Vasupujya
13. Vimalnath
14. Anandanath
15. Dharmanath
16. Shantinath
17. Kunthunath
18. Arnath
19. Mallinath
20. Munisuvrata nath
21. Neminath
22. Arishtanemi
23. Parshvanath
24. Mahavira

# Jainism

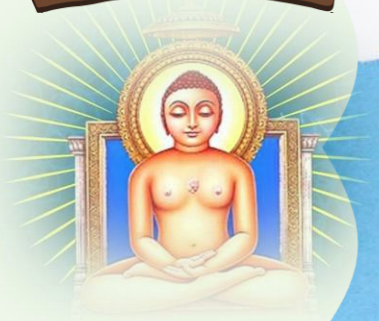

- Jainism was founded by Aadinath and Rishabha Dev, while the real founder was Mahavir swami.
- जैन धर्म की स्थापना आदिनाथ और ऋषभ देव ने की थी, जबकि वास्तविक संस्थापक महावीर स्वामी थे।
- The five Mahavrat (important principles) of Jainism are-: Ahimsa, Satya (truth), Asteya (not to steal), Aparigraha and Brahmacharya.
- जैन धर्म के पाँच महाव्रत (महत्वपूर्ण सिद्धांत) हैं-: अहिंसा, सत्य, अस्तेय
- (चोरी न करना), अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य।
- The first 4 was added by 23rd Tirthankar “Parasnath” while the 5th was added by Mahavira.
- पहले 4 को 23वें तीर्थंकर "पारसनाथ" ने जोड़ा था जबकि 5वें को महावीर द्वारा जोड़ा गया था।
- Vardhamana Mahavira was a contemporary of Buddha.
- वर्धमान महावीर बुद्ध के समकालीन थे।

# Jainism – Vardhaman Mahavira (539– 468 B.C.)

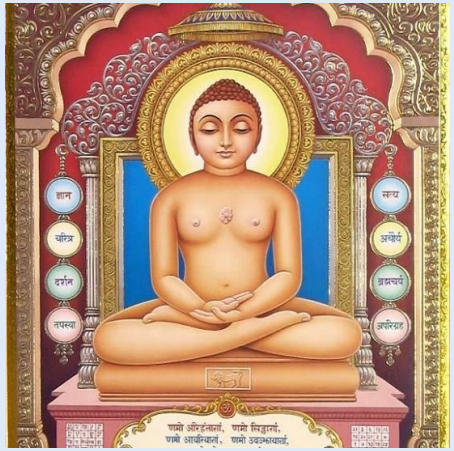


- **Vardhamana Mahavira was the 24th Tirthankar of the Jain tradition. He is considered the last tirthankar./** वर्धमान महावीर जैन परंपरा के 24वें तीर्थंकर थे। उन्हें अंतिम तीर्थंकर माना जाता है।
- **He was born at Kundagrama near Vaishali ./** उनका जन्म वैशाली के निकट कुंडग्राम में हुआ था।
- **He was born to Kshatriya parents Siddhartha and Trishala./** उनका जन्म क्षत्रिय माता-पिता सिद्धार्थ और त्रिशला से हुआ था।

# Jainism – Vardhaman Mahavira (539– 468 B.C.)

- He was married to Yasoda and had a daughter from his marriage named Anojja or Priyadarsana./ उनका विवाह यशोदा से हुआ था और उनकी एक बेटी थी जिसका नाम अनोज्जा या प्रियदर्शना था।

- He renounced the world at the age of thirty to become an ascetic and wandered for twelve years. He also practiced self-mortification for these years./ उन्होंने तीस वर्ष की आयु में संसार त्यागकर संन्यासी बन गये और बारह वर्ष तक घूमते रहे। उन्होंने इन वर्षों तक आत्म-पीड़न का भी अभ्यास किया।

# Jainism - Vardhaman Mahavira (539- 467 B.C.)

- At the age of 42 years, under Sal tree on the bank of river Rijupalika, He attained the highest spiritual knowledge.
- 42 वर्ष की आयु में, ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे, उन्हें सर्वोच्च आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

- In the 13th year of his penance, he attained the highest spiritual knowledge by triumphing over himself. This knowledge is called Kevalya Gyan. Thereafter, he was called Mahavira, Jina, Kevalin.
- अपनी तपस्या के 13वें वर्ष में उन्होंने स्वयं पर विजय प्राप्त कर सर्वोच्च आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया। इस ज्ञान को केवल्य ज्ञान कहा जाता है। इसके बाद उन्हें महावीर, जिन, केवलिन कहा जाने लगा।

# Jainism - Vardhaman Mahavira (539- 467 B.C.)

- His followers were called the Jains and this religion came to be known as Jainism.
- उनके अनुयायी जैन कहलाये और यह धर्म जैन धर्म के नाम से जाना जाने लगा।

- From this time till his death, he preached his doctrines for 30 years.
- इस समय से लेकर अपनी मृत्यु तक उन्होंने 30 वर्षों तक अपने सिद्धांतों का प्रचार किया।

- He died at the age of 72 at Pava near Rajagriha (now in Patna district).
- उनकी मृत्यु 72 वर्ष की आयु में राजगृह (अब पटना जिले में) के पास पावा में हुई।

# Jainism Facts

- **Mahavir gave his first sermon at Pava to 11 Brahman.**
- **महावीर ने अपना पहला उपदेश पावा में 11 ब्राह्मण को दिया।**

- **Jains believe that by following the three-fold path of right Belief, right Knowledge and right Conduct, souls will be released from transmigration and reach the pure and blissful abode.**
- **जैनियों का मानना है कि सही विश्वास, सही ज्ञान और सही आचरण के तीन गुना मार्ग का पालन करने से, आत्माएं स्थानांतरण से मुक्त हो जाएंगी और शुद्ध और आनंदमय निवास तक पहुंच जाएंगी।**

# Jainism Facts

- First Jain Council was held at Patliputra under the chairmanship of Sthulabhadra in 367 B.C.It resulted in the compilation of 12 Angas replacing the lost 14 Purvas.
- पहली जैन परिषद 367 ईसा पूर्व में शुलभद्र की अध्यक्षता में पाटलिपुत्र में आयोजित की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप खोए हुए 14 पूर्वों के स्थान पर 12 अंग का संकलन हुआ।

- The Second Jain Council was held at Vallabhi under the chairmanship of Devardhi in 526 A.D.
- द्वितीय जैन परिषद 526 ई. में देवार्धि की अध्यक्षता में वल्लभी में आयोजित की गई थी।

# Jainism Facts

- **Jainism literature: They were written in Prakrit language.**
- **जैन धर्म साहित्य: वे प्राकृत भाषा में लिखे गए थे।**

- **Aachrang Sutra- Tells about meditation of Mahavir for 12 years.**
- **आचरंग सूत्र- महावीर के 12 वर्षों तक ध्यान के बारे में बताता है।**

- **Kalpa-sutra – Biographies of Jain Tirthankaras mainly Mahavir.**
- **कल्प-सूत्र - जैन तीर्थंकरों की जीवनियाँ, मुख्यतः महावीर।**

# Jainism Facts

- **Bhagwati Sutra – It contains thousands of question and answers on various topics from four Anuyogas, Such as soul, entities, matter, ultimate particles and universe.**
- **भगवती सूत्र - इसमें चार अनुयोगों, जैसे आत्मा, संस्थाएं, पदार्थ, परम कण और ब्रह्मांड से विभिन्न विषयों पर हजारों प्रश्न और उत्तर शामिल हैं।**

# Some Questions

- **In which language Mahavir gave his first sermon?**
  **महावीर ने अपना पहला उपदेश किस भाषा में दिया?**
  **Ans:** Pali

- **First lady to join Jainism Association.?**
  **जैन धर्म संघ में शामिल होने वाली पहली महिला कौन हैं?**
  **Ans:** Chandana

# Some Questions

- **How many Tirthankaras are known in Jainism?**
  **जैन धर्म में कितने तीर्थंकरों को जाना जाता है?**
  **Ans:** 24 Tirthankaras

- **Who laid the important principles of Jainism?**
  **जैन धर्म के महत्वपूर्ण सिद्धांत किसने स्थापित किए?**
  **Ans:** Parshavanath

# Some Questions

- **Priyadarshna, the daughter of Mahavir was married to whom?**
  **महावीर की पुत्री प्रियदर्शना का विवाह किससे हुआ था?**
  **Ans: Jamali**

- **What are the Triratna (Three Jewels) in Jainism?**
  **जैन धर्म में त्रिरत्न (तीन रत्न) क्या हैं?**
  **Ans: Right faith, right knowledge and right conduct /**
  **सम्यक् श्रद्धा, सम्यक् ज्ञान और सम्यक् आचरण**

# Buddhism

- Buddhism, religion and philosophy that developed from the teachings of the Buddha. Spreading from India to Central and Southeast Asia, China, Korea, and Japan, Buddhism has played a central role in the spiritual, cultural, and social life of Asia, and during the 20th century it spread to the West.

बौद्ध धर्म, धर्म और दर्शन जो बुद्ध की शिक्षाओं से विकसित हुआ। भारत से मध्य और दक्षिण पूर्व एशिया, चीन, कोरिया और जापान तक फैलते हुए, बौद्ध धर्म ने एशिया के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन में केंद्रीय भूमिका निभाई है और 20वीं शताब्दी के दौरान यह पश्चिम में फैल गया।

# Buddhism- Gautam Buddha (563 BC – 483 BC)

- The founder of Buddhism was Gautam Buddha, was born as Siddhartha.
- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे, उनका जन्म सिद्धार्थ के रूप में हुआ था।

- Siddhartha was born in 563 BC at Lumbini (now in Nepal) in the Sakya clan of Kshatriya.
- सिद्धार्थ का जन्म 563 ईसा पूर्व में लुम्बिनी (अब नेपाल में) क्षत्रिय के शाक्य वंश में हुआ था।

- The mother of Siddhartha was ‘Mahamaya’ and father was Sudhdhodhana.
- सिद्धार्थ की माता 'महामाया' और पिता शुद्धोधन थे।

# Buddhism- Gautam Buddha (563 BC – 483 BC)

- Siddhartha was married to Yashodhara. He also had a son named Rahul.
- सिद्धार्थ का विवाह यशोधरा से हुआ था। उनका एक बेटा भी था जिसका नाम राहुल है।
- He left home and became an ascetic at the age of 29 in search of truth and end of sorrows . This event in Buddha's life is known as "Mahabhishkramana".
- उन्होंने घर छोड़ दिया और 29 साल की उम्र में सत्य और दुखों के अंत की तलाश में एक तपस्वी बन गए। बुद्ध के जीवन की इस घटना को "महाभीष्म" के नाम से जाना जाता है।
- Buddha's teachers were – Alara and Udarak.
- बुद्ध के जीवन की इस घटना को "महाभिष्क्रमण" के नाम से जाना जाता है।बुद्ध के शिक्षक थे - अलारा और उदारक।

# Buddhism- Gautam Buddha (563 BC – 483 BC)

- After seven years of roaming around, at the age of 35, Siddhartha got enlightenment at Uruvela while meditating on the bank of river Niranjana under a Peepal (Banyan) tree. This tree is called the Bodhi Tree. The place is known as Bodh gaya./ सात साल तक घूमने के बाद, 35 साल की उम्र में, सिद्धार्थ को उरुवेला में निरंजना नदी के तट पर एक पीपल (बरगद) के पेड़ के नीचे ध्यान करते समय ज्ञान प्राप्त हुआ। इस पेड़ को बोधि वृक्ष कहा जाता है। यह स्थान बोधगया के नाम से जाना जाता है।

- Buddha attained the knowledge on the Poornima of Vaishakha month./ बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति वैशाख मास की पूर्णिमा को हुई थी।

# Buddhism- Gautam Buddha (563 BC – 483 BC)

- He then gave his first sermon at Sarnath (Varanasi). This historic event in buddha's life is known as "Dhammachakra Parivartan"./ इसके बाद उन्होंने अपना पहला उपदेश सारनाथ (वाराणसी) में दिया। बुद्ध के जीवन की इस ऐतिहासिक घटना को "धम्मचक्र परिवर्तन" के नाम से जाना जाता है।

- Attained Mahaparinirvana at Kushinagar (identical with village Kasia in Deoria district of UP) in 483 BC at the age of 80 in the Malla republic./ मल्ल गणराज्य में 80 वर्ष की आयु में 483 ईसा पूर्व में कुशीनगर (यूपी के देवरिया जिले के कसिया गांव के समान) में महापरिनिर्वाण प्राप्त किया।

# Buddhism- Gautam Buddha (563 BC – 483 BC)

- Various notable rulers of his time were Buddha's disciples such as Prasenjit, Bimbisara, and Ajatsatru./ उनके समय के कई उल्लेखनीय शासक बुद्ध के शिष्य थे जैसे प्रसेनजीत, बिम्बिसार और अजातशत्रु।

- Vardhmana Mahavira (Jainism) was a contemporary of Gautam Buddha (Buddhism)./ वर्धमान महावीर (जैन धर्म) गौतम बुद्ध (बौद्ध धर्म) के समकालीन थे।

# Buddhist Council
# बौद्ध परिषद

## 1. First Council:

At Rajgriha, in 483 BC under the chairman ship of Mahakasyap (King was Ajatshatru). Divided the teachings of Buddha into two Pitakas – Vinaya Pitaka and Sutta Pitaka. Upali recited the Vinaya Pitaka and Ananda recited the Sutta Pitaka.

## 1. पहली परिषद:

राजगृह में, 483 ईसा पूर्व में महाकश्यप (राजा अजातशत्रु थे) की अध्यक्षता में। बुद्ध की शिक्षाओं को दो पिटकों में विभाजित किया - विनय पिटक और सुत्त पिटक। उपालि ने विनय पिटक का पाठ किया और आनंद ने सुत्त पिटक का पाठ किया।

# Buddhist Council
# बौद्ध परिषद

## 2. Second Council:

At Vaishali, in 383 BC under Sabakami (King was Kalasoka).

Followers divided into Sthaviravadins and Mahasanghikas.

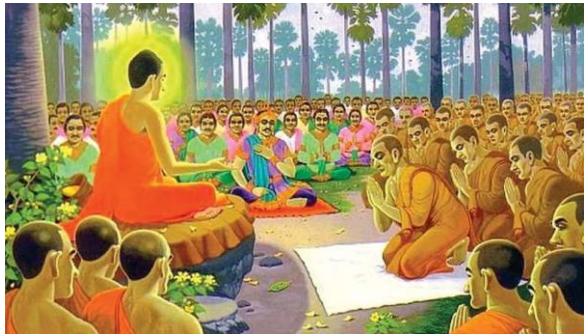

## 2. दूसरी परिषद:

वैशाली में, 383 ईसा पूर्व में सबाकामी के अधीन (राजा कालासोका था)।

अनुयायी स्थविरवादियों और महासंघिकों में विभाजित हो गए।

# Buddhist Council
# बौद्ध परिषद

## 3. Third Council:

At Pataliputra, in 250 BC under Mogaliputta Tissa (King was Ashoka). In this, the third part of the Tripitaka was coded in the Pali language.

## 3. तीसरी परिषद:

पाटलिपुत्र में, 250 ईसा पूर्व में मोगालिपुत्त तिस्सा (राजा अशोक थे) के अधीन। इसमें त्रिपिटक के तीसरे भाग को पाली भाषा में कोडित किया गया था।

# Buddhist Council
# बौद्ध परिषद

## 4. Fourth Council:

At Kashmir (Kundalvan), in 72 AD under Vasumitra (King was Kanishka). Vice-Chairman was Ashwaghosha). Divided Buddhism into Mahayana and Hinayana sects.

## 4. चौथी परिषद:

कश्मीर (कुंडलवन) में, 72 ईस्वी में वसुमित्र (राजा कनिष्क थे) के अधीन। उपाध्यक्ष अश्वघोष थे) बौद्ध धर्म को महायान और हीनयान संप्रदाय में विभाजित किया।

# Buddhist Councils / बौद्ध संगीति

| Buddhist Council | Patron | Venue | Chairman | Year |
|---|---|---|---|---|
| First | Ajatashatru | Rajgriha | Mahakashyap | 483 BC |
| Second | Kalashoka | Vaishali | Sabakami | 383 BC |
| Third | Ashoka | Pataliputra | Mogaliputra | 250 BC |
| Fourth | Kanishka | Kundalvan (Kashmir) | Vasumitra | 72 AD |

# Types of Buddhist

- **The Hinayana:** believed in the simple teachings of Buddha. They did not worship Buddha in the form of his image but honoured his footprints, umbrella and other objects. Pali was their main language.

- **हीनयान:** बुद्ध की सरल शिक्षाओं में विश्वास करते थे। उन्होंने बुद्ध की पूजा उनकी छवि के रूप में नहीं की बल्कि उनके पदचिन्हों, छत्र और अन्य वस्तुओं का सम्मान किया। पाली उनकी मुख्य भाषा थी।

# Types of Buddhist

- **The Mahayana:** worshipped the image of Buddha. Sanskrit was their language. Ashwagosha, Nagarjuna, Vasubhandu were some of the greatest philosophers of Mahayanism.

- **महायान:** बुद्ध की छवि की पूजा करते थे। संस्कृत उनकी भाषा थी. अश्वघोष, नागार्जुन, वसुभाण्डु महायानवाद के कुछ महानतम दार्शनिक थे।

# Types of Buddhist

- **The Vajrayaan:** They Believe that Nirvana is attained by the help of magical tricks or Black magic.

- **वज्रयान:** उनका मानना है कि जादुई टोटकों या काले जादू की मदद से निर्वाण प्राप्त किया जा सकता है।

# The Eight-Fold Path
# अष्टांगिक मार्ग

- Right faith/ सम्यक आस्था
- Right thought/ सही विचार
- Right action/ सही कार्रवाई
- Right means of livelihood/ आजीविका का सही साधन
- Right exertion or efforts/ उचित परिश्रम या प्रयास
- Right speech/ सम्यक वाणी
- Right remembrance/ सम्यक स्मरण
- Right concentration or meditation/ सही एकाग्रता या ध्यान

## Three Ratnas / तीन रत्न-

1. Buddha / बुद्धा
2. Dhamma / धम्म
3. Sangha / संघ